ईरान-इजराइल तनाव के बीच सहमीं नरगिस फाखरी

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच कई भारतीय सेलिब्रिटीज दुबई में फंसे हुए हैं. अमेरिका-ईरान टकराव और हालात बिगड़ने के बाद फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं, जिससे आम लोगों के साथ फिल्मी सितारों की भी मुश्किलें बढ़ गई हैं. इसी बीच एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने सोशल मीडिया पर अपनी चिंता जाहिर की है.

फिल्म रॉकस्टार में नजर आ चुकीं नरगिस इस समय दुबई में हैं. क्षेत्र में बढ़ते तनाव और सुरक्षा कारणों से उड़ानों के रद्द होने के बाद वह वहीं फंसी हुई हैं. एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि पिछले दो दिन उनके लिए बेहद उथल-पुथल भरे रहे हैं. उन्होंने लिखा कि लगातार अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है और समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या होगा. इस असमंजस ने उनकी चिंता और बेचैनी को बढ़ा दिया है.नरगिस फाखरी ने एक अन्य पोस्ट में खुलासा किया कि वह ठीक से सो भी नहीं पा रही हैं. उनका कहना है कि दिमाग हर वक्त 'हाई अलर्ट' पर रहता है. डर और अनिश्चितता के कारण रातें भारी हो गई हैं. उन्होंने लिखा कि इतनी देर हो चुकी है और मैं अब भी जगी हुई हूं. उनके इस बयान से साफ है कि हालात ने उन्हें मानसिक रूप से काफी प्रभावित किया है.नरगिस के अलावा सोनल चौहान भी दुबई में मौजूद हैं. उन्होंने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की गुहार लगाई थी.

फिल्मकार रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के बैनर तले सनी देओल स्टारर नई एक्शन फिल्म की शूटिंग शुरू हो गयी है.

यह एक्शन थ्रिलर शुक्रवार, 27 फरवरी 2026 को शुरू हो गई है, और फिलहाल इसकी शूटिंग चल रही है.

सनी देओल स्टारर नई एक्शन फिल्म की शूटिंग हुई शुरू

एक्सेल एंटरटेनमेंट ने सनी देओल के साथ अपनी नई फिल्म का ऐलान किया है, जिसमें ज्योतिका भी अहम रोल में हैं. सनी देओल ने इस फिल्म की शूटिंग के लिए 2026 की गर्मियों की डेट्स दी हैं. इस फिल्म को बालाजी गणेश निर्देशित करेंगे और यह एक अलग तरह की एक्शन थ्रिलर होने वाली है, जिसमें इंडस्ट्री के बड़े नाम पहली बार साथ आ रहे हैं.

बालाजी गणेश चेन्नई के फिल्ममेकर हैं, जो लंबे समय तक मशहूर निर्देशक ए.आर. मुरुगदॉस के साथ सह निर्देशक के रूप में काम कर चुके हैं. वह इस सस्पेंस थ्रिलर से निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं.

यह फिल्म एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की है, जिसे रितेश

बलिया पर फिल्म बनाएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी

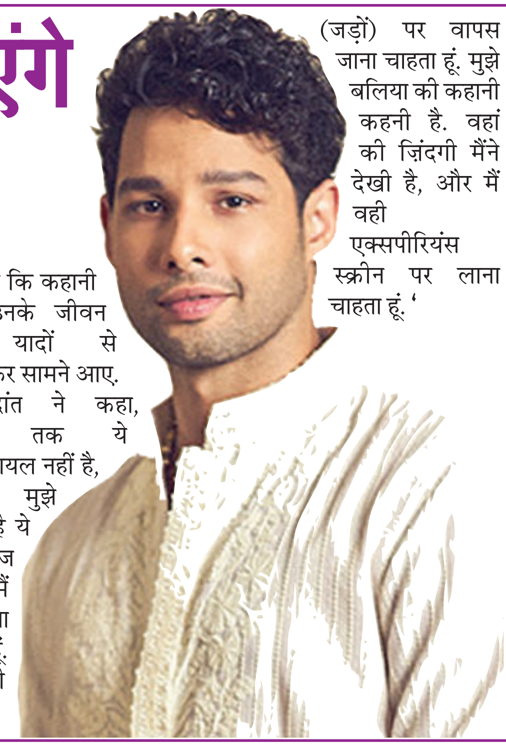

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी अपने मित्र और निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ मिलकर अपने होम टाउन बलिया को केंद्र में रखकर एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं.

छोटे शहर बलिया से निकलकर मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा तक अपनी पहुंच बनानेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी अब अपनी ज़िंदगी के अनुभवों को परदे पर लाने की तैयारी में जुटे हैं. हाल ही में सिद्धांत चतुर्वेदी ने खुद यह बात कही कि वह निर्देशक अभिषेक चौबे के साथ मिलकर अपने होम टाउन बलिया को केंद्र में रखकर एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं.

गौरतलब है कि 'गली बॉय' से अपने करियर की शुरुआत करने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'गहराइयाँ', 'खो गए हम कहाँ' और 'धड़क 2' जैसी फ़िल्में की और हमेशा लेयर्ड और हटकर किरदार चुने. यही वजह है कि अपनी हर फिल्म में अपने हर परफॉर्मेंस के लिए सिद्धांत ने अपने दर्शकों की सराहना बटोरी. फिलहाल अब वह अपने करियर के एक ऐसे मोड़ पर हैं, जहां वे (जड़ों) पर वापस जाना चाहता हूं. मुझे बलिया की कहानी कहनी है. वहां की ज़िंदगी मैंने देखी है, और मैं वही एक्सपीरियंस स्क्रीन पर लाना चाहता हूं.' चाहते हैं कि कहानी सीधे उनके जीवन और यादों से निकलकर सामने आए.

सिद्धांत ने कहा, 'अभी तक ये ऑफिशियल नहीं है, लेकिन मुझे लगता है ये वही स्टेज है जहां मैं बोल देना चाहता हूं. मैं अपनी रूट्स

फिल्म 'पेड्डी' का दूसरा गाना 'रई रई रा रा' रिलीज

फिल्म 'पेड्डी' का दूसरा गाना 'रई रई रा रा' रिलीज हो गया है.

फिल्म 'पेड्डी' में राम चरण और जाह्नवी कपूर लीड रोल में हैं, जबकि जगपति बाबू एक अहम भूमिका निभा रहे हैं. फिल्म के पहले गाने 'चिकिरी चिकिरी' के 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज पार करने के बाद, मेकर्स ने अब इसका जोश से भरा दूसरा सिंगल 'रई रई रा रा' रिलीज कर दिया है.

'पेड्डी' 2026 की सबसे चर्चित और मोस्ट-अवेटेड फिल्मों में से एक है. जब से इस प्रोजेक्ट का एलान हुआ है, तब से ही दुनिया भर में इसे लेकर जबरदस्त बज और एक्साइटमेंट बना हुआ है. फिल्म का पहला गाना, 'चिकिरी चिकिरी', इंटरनेट पर छा गया और देखते ही देखते फैन्स का फेवरेट बन गया. सभी

प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज पार करने के साथ ही, यह साल के सबसे बड़े गानों में से एक बनकर उभरा है.

'चिकिरी चिकिरी' की जबरदस्त कामयाबी के बाद, मेकर्स ने अब दूसरा गाना 'रई रई रा रा' रिलीज कर दिया है. यह ट्रैक एक और हाई-एनर्जी एंथम है, जिसमें राम चरण ने एक बार फिर अपने बेमिसाल डांस मूव्स, स्टाइल और स्वैग का जलवा बिखेरा है. इसे देखकर हर किसी को याद आ गया कि उन्हें भारतीय सिनेमा के सबसे बेहतरीन डांसर्स में क्यों गिना जाता है. इस जादू को और बढ़ा रहा है ए. आर. रहमान का म्यूजिक, जिनकी वाइब्रेंट कंपोजिशन ने इस गाने को एक दमदार और थिरकने पर मजबूर कर देने वाला नंबर बना दिया है. 'चिकिरी चिकिरी' के पहले सिंगल ने रिलीज होते ही काफी धूम मचा दी थी, और सुनने वालों ने इसके रिफ्रेशिंग वाइब और ए. आर. रहमान के सिग्नेचर स्टाइल की खूब तारीफ की है. यह ट्रैक अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज बटोर चुका है,

महिला दिवस पर एण्डटीवी की अनोखी पहल

एण्डटीवी महिला दिवस पर 'सेल्फी लो. शाइन करो. स्टार बन जाओ!' पहल लेकर आया है. यह एक ऐसा खास और उत्साह से भरा अवसर है, जो महिलाओं को आगे बढ़कर खुद का जश्न मनाने के लिए प्रेरित करता है. इस एक्टिवेशन के तहत महिलाएं विशेष रूप से तैयार किए गए इंस्टॉलेशन पर सेल्फी लेकर एण्डटीवी को टैग कर सकती हैं. एक साधारण-सा पल इस तरह उनके लिए चमकने का मौका बन सकता है. चुनी गई प्रतिभागियों को 8 मार्च को अभिनेत्री शिल्पा शिंदे से मिलने का अवसर मिलेगा, और एक विजेता को एण्डटीवी के आने वाले एपिसोड में फीचर किया जाएगा-यानी उन्हें मिलेगा एक सेल्फी से शुरू होकर स्टार बनने तक का यादगार सफर.

यह पहल उस सोच पर आधारित है कि महिलाएं अक्सर दूसरों की खुशियों और उपलब्धियों का जश्न मनाती हैं, लेकिन खुद को सराहने के लिए शायद ही रुकती हैं. इसी विचार के साथ इसे इस तरह तैयार किया गया है कि हर महिला को पहचान और आत्मविश्वास का एक खास पल मिल सके.

ट्रोल्स के निशाने पर आईं हिना खान

पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है. अमेरिका और इस्राइल मिलकर ईरान पर हवाई हमले कर रहे हैं. ईरान ने भी पलटवार किया है. मिसाइल और ड्रोन हमलों के बीच हर तरफ युद्ध के हालातों पर चिंता जताई जा रही है. पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत में भी राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है. सोशल मीडिया पर बहस का दौर जारी है. इस बीच हिना खान अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में आ गई हैं.

पश्चिम एशिया तनाव को लेकर फिल्मी सितारे भी रिएक्शन दे रहे हैं. और, सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर रहे हैं. चर्चित अभिनेत्री हिना खान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है. इसमें उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ की है. हिना खान ने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट शेयर करते हुए दो फोटो साझा की हैं, जिसमें फोटो पीएम मोदी की है. वहीं, एक तस्वीर में छोटा बच्चा डंडे से सड़क पर पहिया चला रहा है.

इसके साथ हिना ने लिखा है, 'जो ये भी ठीक से नहीं चला सकते, वो उन पर सवाल उठा रहे हैं, जो इतना बड़ा देश चला रहे हैं. साहस, हिम्मत, विडंबना. जय हिंद'.हिना खान ने अपने इस पोस्ट के जरिए देश विरोधियों को जवाब दिया है. इसके जरिए उन्होंने यह कहने की कोशिश की है कि जो लोग छोटी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं निभा सकते, वे देश की बागडोर संभालने वाले नेता पर सवाल उठा रहे हैं. मगर, प्रधानमंत्री की तारीफ वाले हिना खान के इस पोस्ट पर नेटिजन्स उनकी आलोचना कर रहे हैं. हालांकि, कुछ लोग हिना खान के सपोर्ट में भी आए हैं.

अबू धाबी से सुरक्षित लौटीं ईशा गुप्ता

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता अबू धाबी से भारत वापस लौट आई हैं. पिछले कुछ दिनों में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और मिसाइल हमलों की वजह से मिडिल ईस्ट के हवाई क्षेत्र बंद हो गया था. कई फ्लाइट्स कैंसल हो गई और ईशा भी दुबई-अबू धाबी में ही अटक गई थीं. एक्ट्रेस ईशा गुप्ता एक बार फिर से चर्चा में आ गई हैं. इसकी वजह ईशा गुप्ता की अभी हाल ही में शेयर की गई पोस्ट है. ईशा गुप्ता काफी दिनों तक अबू धाबी में फंसी हुई थी, अब वो इंडिया वापस आ गई हैं. इंडिया आने के बाद ईशा गुप्ता ने एक पोस्ट शेयर कर अबू धाबी के हालातों की जानकारी दी है. ईशा गुप्ता ने लिखा कि 'मैं घर लौट आई. सबकी दुआओं और शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया.

सर्जरी के बाद अस्पताल से घर लौटीं दीपिका कक्कड़

अभिनेत्री दीपिका कक्कड़ ने बीते वर्ष लिवर कैंसर को सफलतापूर्वक मात दी. इसके लिए उनकी एक लंबी सर्जरी हुई थी. इससे जुड़ा जांच और उपचार जारी है. इस बीच बीते दिनों उन्हें पेट में तेज दर्द उठा. मेडिकल जांच में पता चला कि दीपिका के पेट में एक 13 एमएम का एक सिस्ट है. इसकी सर्जरी के लिए उन्हें बीते मंगलवार अस्पताल में भर्ती होना पड़ा. सर्जरी सफल रही और अब वे घर वापस आ गई हैं. दीपिका ने अपनी हेल्थ को लेकर अपडेट शेयर किया है.दीपिका कक्कड़ ने अपने व्लॉग 'दीपिका की दुनिया' से गुरुवार को एक वीडियो शेयर किया. इसमें उन्होंने दुआओं के लिए फैंस का आभार जताया है. एक्ट्रेस ने कहा कि सर्जरी सफल रही. साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि उपचार कैसे हुआ? अचानक पेट में दर्द हुआ और तुरंत सर्जरी करानी पड़ी. दीपिका के मुताबिक, इस बार सर्जरी के बाद भी उन्हें बहुत तेज दर्द महसूस हुआ था. हालांकि, अब दर्द में पहले से काफी राहत है. लिवर कैंसर से जंग जीत चुकीं दीपिका कक्कड़ के पेट में बीते दिनों 13एमएम का एक सिस्ट डिटेक्ट हुआ.

कृषि जगत

अर्का सावी गुलाब की खेती से लाखों का मुनाफा

अर्का सावी वैरायटी को गुलाब की सबसे अच्छी वैरायटी माना जाता है. इस वैरायटी के एक पौधे की कीमत आमतौर पर 20 से 30 रुपये होती है. एक एकड़ खेत में इस किस्म के लगभग 30,000 पौधे लगाए जा सकते हैं. इस आधार पर पौधों की कुल लागत 3,50,000-5,00,000 रुपये होगी. खेती के लिए भूमि की तैयारी पर 30,000 रुपये, सिंचाई (ड्रिप आदि) पर 50,000 रुपये, खाद और उर्वरक पर 20,000 रुपये, मजदूरी (लेबर) पर 50,000 रुपये और अन्य छिटपुट खर्च 20,000 रुपये तक आ सकता है.

कुल लागत 9,00,000 प्रति एकड़- यदि अर्का सावी वैरायटी की खेती में पॉलीहाउस का इस्तेमाल किया जाए, जिसकी लागत सरकारी सब्सिडी के बाद लगभग 16 लाख रुपये होती है, तो इसे भी कुल लागत में शामिल करना होगा.

अर्का सावी गुलाब से आमदनी कितनी?- अर्का सावी किस्म से होने वाली कमाई जानने के लिए आपको प्रति गुलाब से होने वाली कमाई को देखना होगा. बाजार में एक गुलाब की कीमत 10-25 रुपये तक होती है. खेत में प्रति पौधा उत्पादन 30-40 फूल का होता है. अगर कोई किसान 30,000 पौधे लगाता है तो उससे कुल उत्पादन 9-12 लाख फूल होंगे.

अब बंजर जमीन पर भी लहलहाएगा बगीचा!

अगर आपके घर के बगीचे या आंगन की मिट्टी अच्छी नहीं है, या बार-बार झुक कर काम करने में दिक्कत होती है, तो आपके लिए रेज्ड बेड गार्डनिंग टिप्स बहुत अच्छा तरीका हो सकता है. इसमें जमीन के ऊपर चारों तरफ से बनी ऊंची क्यारियों में पौधे लगाए जाते हैं, जिससे खराब मिट्टी की समस्या नहीं रहती है.

गार्डनिंग एक्सपर्ट्स की मानें तो यह तरीका खास तौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जिनकी जमीन बंजर या कम उपजाऊ है. इसमें पौधों की देखभाल करना आसान होता है और झुक कर काम करने की जरूरत भी नहीं पड़ती है, इसलिए यह घर के बुजुर्गों, महिलाओं और शहरी लोगों के लिए भी एक सुविधाजनक और आरामदायक बागवानी तरीका है.

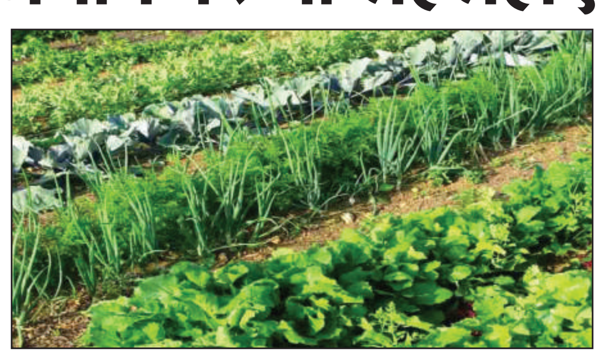

रेज्ड बेड टिप्स से पौधों को मिलेगी मजबूती- रेज्ड बेड गार्डनिंग तकनीक में जमीन के ऊपर चारों तरफ से बनी ऊंची क्यारियां तैयार की जाती है और उनमें पौधे लगाए जाते हैं. इससे मिट्टी की क्वालिटी को अपने हिसाब से बेहतर बनाया जा सकता है, जिससे पौधों को अच्छा पोषण मिलता है और उनकी ग्रोथ भी तेज होती है. सबसे अच्छी बात यह है कि इस तकनीक से फसल या पौधों का उत्पादन भी अच्छा मिलता है. रेज्ड बेड गार्डनिंग टिप्स को अपनाना बिल्कुल मुश्किल नहीं है.

रेज्ड बेड बनाने के लिए सही स्थान का चुनाव- गार्डनिंग एक्सपर्ट के अनुसार, इसके लिए ऐसी जगह चुननी चाहिए जहां रोजाना कम से कम 6 से 8 घंटे की सीधी धूप आती हो. क्योंकि धूप पौधों की ग्रोथ के लिए बहुत आवश्यक होती है. अगर जगह पर पर्याप्त धूप नहीं होगी. तो पौधे कमजोर रह सकते हैं और फल-फूल या सब्जियों का उत्पादन कम

पौधों का सही तरीके से करें देखभाल - इसके बाद बगीचे की मिट्टी, अच्छी जैविक खाद और वर्मी कम्पोस्ट को बराबर मात्रा में मिलाकर एक अच्छा उपजाऊ मिश्रण तैयार करें और इस मिश्रण से क्यारी को भर दें. यह मिट्टी पौधों को जरूरी पोषक तत्व देती है, जिससे उनकी बढ़त अच्छी होती है. पौधों को थोड़ा पास-पास लगाना भी फायदेमंद रहता है, क्योंकि क्यारी की मिट्टी पोषक तत्वों से भरपूर होती है और सभी पौधों को भरपूर पोषण मिल जाता है. नियमित पानी देना बहुत जरूरी होता है, क्योंकि ऊंची क्यारियों की मिट्टी सामान्य जमीन की तुलना में जल्दी सूख जाती है.

पशुपालन में जरूर करें ये काम

सबसे पहले तो मौसम का बदलाव पशुपालकों के लिए बड़ी परेशानी बनता है. उसके बाद मौसम का असर पशुओं के उत्पादन पर पड़ता है, जिसका नुकसान पशुपालकों को कई तरह से उठाना पड़ता है. खासतौर पर पशु का उत्पादन तो कम होता ही है, लेकिन लागत के तौर पर चारे के खर्च में कोई कमी नहीं आती है. इसीलिए एनिमल एक्सपर्ट पशुपालकों को हर मौसम में अलर्ट रहते हुए गाय-भैंस की देखभाल करने की सलाह देते हैं. क्योंकि कई बार जरा सी लापरवाही इतनी भारी पड़ जाती है कि पशु की मौत तक हो जाती है.

बड़े नुकसान से बचाता है पशु बीमा- अगर आपके पशु का बीमा है तो फिर प्राकृतिक आपदा या किसी भी तरह की बीमारी जो खासतौर पर मौसम के चलते ज्यादा होती हैं से मौत होने पर बीमा की रकम मिल जाती है. यहां तक की बरसात के मौसम में ही कई तरह के जहरीले कीड़े पशुओं को काट लेते हैं और उनकी मौत हो जाती है.

बीमारी से बचाने में मददगार है टीकाकरण - एनिमल एक्सपर्ट का कहना है कि सर्दी, गर्मी और बरसात के मौसम में पशुओं को कई तरह की बीमारी होती हैं. दूषित चारा खाने से, दूषित पानी पीने से भी पशु बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं. खुरपका-मुंहपका, थनेला समेत और तमाम बीमारियां भी इस मौसम में पशुओं को अपने चपेट में ले लेती हैं. लेकिन समय-समय पर पशुओं को लगने वाले टीके हम अपने पशुओं को लगवाते रहेंगे तो पशु बीमारी की चपेट में नहीं आएंगे.

दूध के संबंध में हकीकत तो ये है कि जब हमारा पशु कई तरह की बीमारियों से ग्रसित होगा तो उसका दूध उत्पादन घटेगा ही घटेगा. और टीकाकरण से पशु बीमारी से बचकर स्वस्थ रहता है. और हम अच्छी तरह से जानते हैं कि जब पशु पूरी तरह ठीक होता है तो वो दूध भी खूब देता है. फिर वो चाहें भेड़-बकरी हो या फिर गाय-भैंस.

गेंदे की खेती का रखें ध्यान

अगर आप गेंदे के फूलों की खेती करना चाहते हैं तो उसके लिए आपको सही जानकारी होना जरूरी है. जानकारी के मुताबिक शुरुआती दौर में किसान अगर 1 एकड़ जमीन पर गेंदे की खेती करना चाहता है, तो इसमें 20 से 30 हजार रुपए का खर्चा आ सकता है, वो भी तब जब आप पूरी खेती खुद करते हैं. अगर आप खेती किसी और से करवाना चाहते हैं, तो फिर इसमें मजदूरी लागत भी जोड़ जाएगी.

वहीं अगर गेंदे के फूल के बुवाई की बात करें तो प्रति एकड़ जमीन पर करीब 800 से 1 किलोग्राम बीज लग सकता है. बीज की बुवाई के बाद लगभग 25 दिन में इसकी पौध बनने में लगते हैं. आमतौर पर गेंदे की बुवाई अगस्त से सितंबर के बीच की जाती है. फरवरी-मार्च में गेंदे की फसल पूरी तरह से तैयार हो जाती है. आमतौर पर भारत में हर मौसम में गेंदे की खेती की जाती है.

गेंदे की खेती के लिए खाद और उर्वरक- गेंदे की अच्छी खेती के लिए खाद एवं उर्वरक बेहद अहम होता है

* सड़ी हुई गोबर की खाद, 15 से 20 टन प्रति हेक्टेयर
* 600 ग्राम प्रति हेक्टेयर यूरिया का इस्तेमाल
* म्यूरेट ऑफ पोटाश- 200 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर
* सिंगल सुपर फॉस्फेट- 1000 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से

गेंदे की खेती का रखें ध्यान

आमतौर पर गेंदे के फूलों के साथ खरपतवार की समस्याएं आती है. ये खरपतवार फूलों से पोषक तत्व खींच लेते हैं, जिसका दुष्प्रभाव फूलों की क्वालिटी पर पड़ता है. ऐसे में फूलों के साथ आने वाले खरपतवार को रासायनिक तरीके से रोका जा सकता है. इसके लिए एनिबेन 10 पॉन्ड, प्रोपेक्लोर और डिफेनैमिड 10 पॉंड प्रति हेक्टेयर इस्तेमाल करें. वहीं विशेषज्ञों के मुताबिक गेंदे की जड़ों से एक कैमिकल निकलता है, जो मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाता है. माना जाता है कि कहीं भी खेतों में उत्पादन कम दिखाई दें, तो उन किसानों के लिए गेंदे के फूल की खेती एक अच्छा विकल्प है. सीजन में गेंदे के फूल की कीमत 70 रुपए प्रति किलो तक पहुंच जाती है. अगर आधी एकड़ जमीन में भी गेंदे की खेती की जाए तो, एक हफ्ते में करीब 1 क्विंटल से लेकर डेढ़ क्विंटल तक फूल हासिल कर सकते हैं. जिससे 6 महीने में किसान को 1 से डेढ़ लाख रुपए तक की आमदनी हो सकती है.